पिस रहे आउटसोर्स कर्मचारी, फायदे में कम्पनियां

विभागीय अधिकारी भी उठा रहे फायदा

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। कोर्ट की हालिया आदेश के बाद आउटसोर्स कर्मचारियों का गुस्सा उबाल पर है। सरकारी दतरों में बरसों से कम वेतन और असुरक्षित नौकरी के दम पर काम कर रहे इन कर्मचारियों को अब समान पद, समान वेतन की उमीद नजर आ रही है लेकिन, सरकारों के ढुलमुल रवैये ने इनकी नाराजगी और भड़का दी है। अभी हालत यह हैं कि स्थायी कर्मचारियों के बराबर काम करने के बावजूद इनका वेतन आधा या उससे भी कम है। न तो नौकरी की गारंटी है और न ही पेंशन जैसी सुविधाएं।

यहां तक कि उन्हें दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी जितना वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक फैसले में कहा कि सरकार कोई बाजार का दुकानदार नहीं है। वह एक संवैधानिक संस्था है और उसे सर्वोच्च मानक स्थापित करना होता है। ड्राइवर, सुरक्षाकर्मी, चपरासी, आउटसोर्स, संविदा, तदर्थ अथवा अतिथि इत्यादि माध्यमों से कर्मचारियों का शोषण नहीं किया जा सकता। यदि शासन ने किसी नियमित प्रकृति के कार्य का सृजन किया है तो उसके लिए पद का सृजन करना भी सरकार की जिमेदारी है। सुप्रीम कोर्ट की यह तीखी टिप्पणी आउटसोर्स, संविदा और अतिथि माध्यम से कर्मचारियों की व्यवस्था के संदर्भ में है।

रोजगार की आड़ में कमाई का झाड़:-श्रम कानून के मुताबिक कर्मचारियों को कलेक्टर रेट से मासिक वेतन का भुगतान होना चाहिए। लेकिन, प्रदेश में अधिकारियों की मिलीभगत से कंपनियां कर्मचारियों को कम वेतन दे रही हैं। स्थिति ये है कि बिजली कंपनियां, अस्पतालों में आउटसोर्स कर्मचारियों से सुरक्षा, सफाई और मेंटेनेंस का काम कराने के बदले में पांच, सात या अधिकतम 10 हजार रुपए ही वेतन दिया जा रहा है। जबकि सरकार से 12 से 20 हजार रुपए मासिक का अनुबंध होता है। बेरोजगारों की बढ़ती संख्या को कंपनियों ने कमाई का जरिया बना लिया है।

आउट सोर्स पर टिकी व्यवस्था:- ग्राम पंचायतों के भवन की सुरक्षा में तैनात पंचायत चैकीदार, चपरासी, सफाई कर्मी एवं पप ऑपरेटर पांच हजार से कम मासिक वेतन में काम कर रहे हैं। वहीं सरकारी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन पकाने वाली महिलाकर्मियों को भी चार से पांच हजार रुपए ही दिए जा रहे हैं। जबकि, सरकार महज 3-4 हजार रुपए में काम कराया जा रहा है। नगरीय निकायों की पूरी व्यवस्था आउटसोर्स या संविदा पर निर्भर है। सफाई कर्मचारी, कप्युटर ऑपरेटर से लेकर स्वच्छता अभियान जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का जिम्मा भी इनके हांथों है।

12 घंटे तक लिया जा रहा काम:- आउटसोर्स, संविदा और अतिथि व्यवस्था के कर्मचारी विभागों के कामकाज और योजनाओं को संभाल रहे हैं। सरकारी विभागों में सुरक्षा और समानजनक वेतन मिलने का सपना देख रहे युवा इस आउटसोर्स व्यवस्था में फंसकर धोखे का शिकार हो रहे हैं। समान काम-समान वेतन के कानून का पालन कराने का जिमा सरकार का है। लेकिन, उसी के विभागों में कर्मचारियों को आउटसोर्स कंपनियां ठग रही हैं। श्रम कानूनों को ताक पर रखकर 8 घंटे की जगह 12 घंटे से ज्यादा काम कराया जा रहा है। जोखिम भरे कामों में कर्मचारियों की सुरक्षा का प्रषय कंपनियां तो कर ही नहीं रहीं सरकार अफसर भी इस ओर आंखें बंद कर चुके हैं।

शिकायतों पर गौर नहीं, बंधुआ जैसे हालात

आउटसोर्स कंपनियों की शिकायतें पहुंचने के बावजूद अधिकारी इससे पल्ला झाडने में जुट जाते हैं। यही वजह है कि आउटसोर्स व्यवस्था की आड़ में श्रम कानूनों का उल्लंघन जारी है। आउटसोर्स, संविदा और गेस्ट फैकल्टी के रूप में काम कर रहे कर्मचारियों को न तो साप्ताहिक अवकाश ही नहीं मिलता। जब कभी साप्ताहिक अवकाश के नाम पर कर्मचारी छुट्टी पर रहता है तो उसका वेतन काट लिया जाता है। कर्मचारियों को प्रसूति, चिकित्सा अवकाश जैसी सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। यही नहीं, सरकार के विभागों से कर्मचारियों के नाम पर जिस वेतन पर कंपनियां अनुबंध करती है, उसमें भी कटौती और कमीशनखोरी हो रही है। बात चाहे मध्यप्रदेश की हो, छत्तीसगढ़ की हो या फिर राजस्थान की, आउटसोर्स व्यवस्था हर जगह कर्मचारियों के हितों पर कुठाराघात कर रही है।

तीन दशक से टल रही ग्रेड 3 और 4 में स्थायी नियुक्तियां

तीन दशक से सरकारी विभागों में नियुक्तियां लगातार टलती आ रही हैं। जितने कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, उनके मुकाबले आधे कर्मचारी भी भर्ती नहीं होते। दूसरी ओर आबादी बढने से विभागों के काम का दायरा बढ़ा है। नई योजनाओं के क्रियान्वयन, नए अस्पताल, मेडिकल कॉलेज, बिजली कंपनियों के सब स्टेशन, उपभोक्ताओं की संख्या भी दो से तीन गुना तक बढ़ चुकी है। जबकि, स्थायी कर्मचारियों की नियुक्ति 20-30 साल या उससे भी पुरानी आधार पर ही अटकी है बिजली कंपनियां, स्वास्थ्य विभाग पीएचई, पीडल्यूडी, बैंकिंग सेक्टर, नगरीय निकायों में कर्मचारियों की कमी बढ़ गई है। सरकार की धुरी यानी मंत्रालय की आधी व्यवस्था आउटसोर्स कर्मचारियों के कांधों पर है। नियुक्तियां न आने की स्थिति में विभागों ने काम चलाऊ यानी आउटसोर्स व्यवस्था को अपना लिया है।

पंचकल्याणक महोत्सव का हुआ शुभारंभ

नवभारत न्यूज

सलेहा/पन्ना 23 फरवरी। गणाचार्य परम पूज्य श्री 108 विराग सागर महा मुनिराज के शिष्य, परम पूज्य श्री 108 श्री विशुद्ध सागर महा मुनिराज,विशद सागर जी महा मुनिराज सहित दिगंबर महा संघ का सलेहा नगर आगवन पर जैन समाज सहित नगर वासियों द्वारा अगवानी की गई।

इस दौरान जगह-जगह मुनिराज जी का पुष्प वर्षा ,चरण बंधन ,पूजन के साथ स्वागत किया गया। नगर की माताओं एवं बहनों द्वारा रंगोली ,तोरण द्वार एवं संस्कृत प्रस्तुति के द्वारा अगवानी की गई ,नवयुवकों द्वारा धार्मिक जयकारों के उद्घोष के साथ जैन मंदिर में पूज्य संतों का प्रवेश हुआ। सलेहा नगर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का शुभारंभ 23 फरवरी से किया गया, प्रथम दिवस त्रिनेत्रोदय अतिशय क्षेत्र श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सलेहा में प्रातः जिनाभिषेक, शान्ति धारा,जिनज्ञा,देवासा, गुरु आज्ञा, आचार्य निमंत्रण सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, यह आयोजन राष्ट्रसंत गणाचार्य श्री 108 विराग सागर जी महामुनि राज के परम प्रभावशाली परंपरा में पूज्य आचार्य शिरोमणि पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महामुनि राज, पूज्य क्षमामूर्ति आचार्य श्री 108 विशद सागर जी महामुनि राज एवं 55 ससंघ के सानिध्य में नगर की गौरव गणिनी आर्यिका 105विन्ध श्री माताजी के निर्देशन में संपन्न होना है। प्रथम दिवस आचार्य श्री के स्वागत एवं आगवानी में सुसज्जित हाथी ,घोड़े, ,सहित ड्रोन से पुष्प वर्षा कर ससंघ की दिव्य आगवानी की गई।

सीएमएचओ ने लापरवाह एएनएम के वेतन-मानदेय के आहरण पर लगाई रोक

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। मातृ स्वास्थ्य , स्वास्थ्य विभाग का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसके अंतर्गत समस्त गर्भवती माताओ को निर्धारित स्वास्थ्य सेवाए प्रदान कर डाटा की एंट्री हेतु एवं उनके स्वास्थ्य की निगरानी हेतु अनमोल पोर्टल संचालित है।

इसी तारतम्य में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर पी तिवारी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 की अनमोल पोर्टल की समीक्षा की गई पोर्टल पर लक्ष्य के विरूद्ध एएनसी पंजीयन एवं प्रथम तिमाही में गर्भवती पंजीयन कम होने पर एएनएम की माह फरवरी 2026 की वेतन/मानदेय रोकने की कार्यवाही की गई है जिसमें उपस्वास्थ्य केन्द्रो पर पदस्था निम्न एएनएम के नाम शामिल हैं प्रभा केवट उपस्वाथ्य केन्द्र आमा, गीता ताम्रकार उपस्वास्थ्य केन्द्र सुगरहा, गोप्ता सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र रंगौली, सरस्वती सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र मलघन, राजकुमारी गौंड उपस्वास्थ्य केन्द्र रामपुर खजरी, चंदा राय उपस्वास्थ्य केन्द्र शाहपुरकला, पूना ठाकुर उपस्वास्थ्य केन्द्र शाहनगर, रजनी मंडाले उपस्वास्थ्य केन्द्र बघवारकला, शारदा भट्ट उपस्वास्थ्य केन्द्र परसवारा, प्रेमक्रांति सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र टुडा, विनिता लोधी उपस्वास्थ्य केंद्र अधराड, आकांक्षा लखेरा उपस्वास्थ्य केन्द्र चैपरा, सरोज सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र सारंगपुर, सरोज सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र सारंगपुर, सरोज सिंह उपस्वास्थ्य केन्द्र जरगवॉ, कल्पना पटेल उपस्वास्थ्य केन्द्र देवरा, नूरजहॉ बानो उपस्वासथ्य केंद्र रूपझिर। उक्त कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अनमोल पोर्टल से संबंधित लंबित एंट्री निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। कार्य पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के उपरांत खण्ड चिकित्सा अधिकारी शाहनगर की अनुशंसा पश्चात वेतन आहरण संबंधी कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। आज दिनांक 23 फरवरी को कलेक्टर सभागार पन्ना में श्रीमती उषा परमार कलेक्टर एवं अध्यक्ष (जिला स्तरीय टास्क फोर्स),डॉ एस. डी. चतुर्वेदी प्राचार्य एवं सचिव (जिला स्तरीय टास्क फोर्स) तथा जिला कार्य बल के अन्य समिति सदस्यों की उपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश तथा नेशनल टास्क फोर्स तथा स्टेट टास्क फोर्स द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पन्ना जिले में सफल क्रियान्वयन किया जा सके।

इस संबंध में बिंदुवार बैठक कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सर्वप्रथम सचिव डॉ.एस डी चतुर्वेदी द्वारा विस्तृत जानकारी सभी के समक्ष प्रदान की गई एवं बैठक एजेंडा से सभी को अवगत कराया तदोपरांत बैठक में कलेक्टर द्वारा बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा समिति सदस्यों के समक्ष की गई। एवं पन्ना जिले के अंतर्गत आने वाले कोचिंग एवं शिक्षण संस्थानों में शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का सुचारू क्रियान्वन किया जा सके इस संबंध में बिंदुवार चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से पन्ना जिले में कोचिंग संस्थानों को चिह्नित करने की जानकारी एवं जिला प्रशासन के साथ पंजीयन तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में मनोवैज्ञानिक काउंसलर की नियुक्ति संबंधी चर्चा की गई।

तदोपरांत शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जा सके इस संबंध में भी विस्तार से चर्चा की गई। इस बैठक अरविन्द कुमार त्रिपाठी प्राचार्य,शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय पन्ना, अवधेश सिंह महिला बाल विकास अधिकारी पन्ना, पुलिस, चिकित्सा, सामाजिक न्याय विभाग के प्रतिनिधि, महाविद्यालय से धर्मेन्द्र यादव नोडल अधिकारी (जिला कार्य बल), डॉ? सुभम पाठक नोडल अधिकारी नेशनल टास्क फोर्स उपस्थित रहे। बैठक के अंत में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

सेवानिवृत्त शिक्षक बुद्धि प्रकाश का दु :खद निधन

अमानगंज/पन्ना 23 फरवरी।

अमानगंज के वरिष्ठ शिक्षक रहे बुद्धि प्रकाश द्विवेदी का दुखद निधन हो गया। वे न केवल क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित वरिष्ठ शिक्षक थे, बल्कि ज्योतिष शास्त्र के प्रकांड विद्वान थे उनके निधन की सूचना मिलते ही अमानगंज सहित समूचे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। उन्होंने न केवल किताबी ज्ञान दिया, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के जीवन में नैतिक मूल्यों और अनुशासन का बीज बोया। आज क्षेत्र के अनगिनत सफल व्यक्तित्व उन्हीं की शिक्षा की छाँव में पल्लवित हुए हैं। शिक्षण कार्य से निवृत्ति के पश्चात उन्होंने अपना संपूर्ण समय ज्योतिष साधना और जन-कल्याण में लगा दिया। उनकी गणना सटीक और शास्त्रीय विधि-विधान के मर्मज्ञ के रूप में होती थी।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समीक्षा कर दिए निर्देश

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई टीएल बैठक के मौके पर मंगलवार, 24 फरवरी को ग्राम कल्दा में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय वृहद स्वास्थ्य शिविर एवं जनसमस्या निवारण शिविर की विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देशित किया गया। साथ ही कल्दा के शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड व जरूरतमंदों को चश्मा वितरण एवं मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना के तहत लाभ प्रदान करने सहित दिव्यांगजनों को उपकरण वितरण, जन्म प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, खसरा-खतौनी, ड्रायविंग लाइसेंस व जाति प्रमाण पत्र, उज्ज्वला गैस कनेक्शन इत्यादि के माध्यम से सभी पात्रजनों को लाभांवित करने के लिए भी कहा। कलेक्टर श्रीमती परमार ने गत जनवरी माह की सीएम हेल्पलाइन रैंकिंग में पन्ना जिले के ए ग्रेड में रहने पर समस्त विभागीय अधिकारियों के समन्वित प्रयासों की सराहना कर निरंतर रूप से बेहतर रैकिंग की अपेक्षा की। साथ ही सुनवाई प्रक्रिया के उपरांत ही शिकायतों को फोर्स क्लोज करने की हिदायत भी दी। कलेक्टर-कमिश्नर कांन्फ्रेंस के विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर विभागवार प्रगति लाने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके अलावा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य एवं पोषण समिति की मासिक बैठक के अविलंब आयोजन, समस्त गर्भवती महिलाओं की समग्र आईडी बनाने के संबंध में जरूरी कार्रवाई तथा संकल्प से समाधान अभियान के प्रत्येक शिविरों में टीबी व सिकल सेल एनीमिया के परीक्षण सहित निक्षय पोषण बॉस्केट के वितरण तथा लापरवाह मैदानी स्वास्थ्य कर्मचारियों के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई के निर्देश भी दिए। इसके अलावा गत दिवस उपार्जित धान के परिवहन को तत्काल पूर्ण कराने, खाद्यान्न उठाव तथा गेहूं खरीदी की व्यवस्थाओं के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में वॉश ऑन व्हील्स सेवा की शुरूआत की गई है।

समस्त विभागों द्वारा अधीनस्थ कार्यालयों के संस्थागत शौचालयों के सफाई कार्य के लिए इस सुविधा की मांग की जाए। इस दौरान राज्य स्तर पर एडमिनिस्ट्रेटिव परसेप्शन में जिले की बेहतर रैंक के निर्देश भी दिए गए। गेहूं पंजीयन केन्द्रों पर चना व मसूर के पंजीयन की सुविधा सहित अन्य अंतरविभागीय समन्वय के विषयों पर भी चर्चा की गई।

संयुक्त सचिव ने पीएमश्री स्कूल का भ्रमण कर सुविधाओं का लिया जायजा

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। भारत सरकार की टीम जिले के पीएमश्री स्कूलों की गुणवत्ता को परखने के उद्देश्य से दो दिवसीय भ्रमण पर है। इस क्रम में केन्द्र सरकार के संयुक्त सचिव अश्वनी श्रीवास्तव ने सोमवार को रमखिरिया स्थित पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय और शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय अजयगढ़ का निरीक्षण किया तथा स्कूल की व्यवस्थाओं सहित शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार तथा सह शैक्षणिक गतिविधियों को परखा।

पीएम श्री योजना के तहत जिले के 16 स्कूलों को अन्य विद्यालयों की तुलना में विशेष रूप से विकसित किया जा रहा है। यहां छात्र व शिक्षकों के लिए निर्धारित यूनिफॉर्म सहित विद्यार्थियों के लिए आईडी कार्ड, आकर्षक सेल्फी प्वांइट, साउंड सिस्टम, साईंस एवं गणित सर्कल, एलईडी लाइटिंग व डस्टबिन की अनिवार्य व्यवस्था की गई है। साथ ही विद्यालय परिसरों में भी स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संयुक्त सचिव ने विद्यालय निरीक्षण उपरांत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्राचार्य और प्रधानाध्यापक के साथ बैठक की। इस मौके पर उन्होंने सभी पीएम श्री स्कूल के परीक्षा परिणाम, स्मार्ट क्लास सुविधा, विभिन्न लर्निंग मॉड्यूल, अध्ययन सामग्री, डिजिटल बोर्ड के जरिए अध्यापन और शिक्षकों के आवश्यक प्रशिक्षण इत्यादि की जानकारी लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

ईको क्लब को करें सक्रियः- संयुक्त सचिव द्वारा बैठक में स्कूल कक्षाओं में एलईडी लाईट्स के उपयोग को बढ़ावा देने, रैन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना, पौधरोपण गतिविधियों, पर्यावरण संरक्षण पर केन्द्रित प्रतियोगिताओं के आयोजन, प्लास्टिक फ्री जोन बनाने, स्कूल परिसर में कचरे के उचित निस्तारण सहित ईको क्लब की गतिविधियों को सक्रिय करने के संबंध में निर्देश दिए गए। इसके अलावा जन्म दिवस जैसे विशेष अवसरों पर भी पौधरोपण कार्यक्रम के आयोजन के लिए कहा। उन्होंने जनजागरूकता गतिविधियों सहित व्यवहारिक प्रशिक्षण की बात भी कही। इसके अलावा सभी शिक्षकों को टीएलएम के उपयोग को प्रोत्साहित करने, कैरियर काउंसलिंग सत्र आयोजित करने, बालिका शौचालयों की स्थिति में सुधार, कक्षा 8वीं तक के बच्चों के लिए बैगलैस कॉन्सेप्ट व क्रिएटिव प्रोगेस अपनाने की बात कही। उन्होंने स्कूलों में शिक्षक अभिभावक बैठक, हेल्थ चेकअप कैम्प, सुरक्षा की दृष्टि से मॉर्शल आर्ट्स प्रशिक्षण इत्यादि के बारे में भी पूछा।

क्यूरी मशीन से सीबीसी मोटर एवं प्रिंटर चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में थाना प्रभारी संतोष यादव देवेन्द्रनगर द्वारा त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए क्यूरी (फ्लोरी) मशीन से सीबीसी मोटर एवं प्रिंटर चोरी के प्रकरण का सफल खुलासा कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

दिनांक 10 फरवरी को फरियादी रावेन्द्र कुमार तिवारी पिता आनन्द कुमार तिवारी, उम्र 32 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 04 गुन्नौर द्वारा चैकी ककरहटी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी क्यूरी मशीन क्रमांक सीजी 07 सीएस 5343 दिनांक 08 जनवरी को ग्राम अमचुई में सी.सी. रोड निर्माण कार्य हेतु भेजी गई थी। कार्य पूर्ण होने के उपरांत मशीन को अमचुई मोड़ पर खड़ा कर दिया गया था। अगले दिन मशीन में लगा सीबीसी मोटर एवं प्रिंटर अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 65,000/- है। विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं मुखबिर सूचना के आधार पर संदेही चाली राजा यादव पिता वीर सिंह यादव, उम्र 24 वर्ष, निवासी ग्राम बसवां, थाना जखौरा, जिला ललितपुर (उ.प्र.) को दिनांक 22 फरवरी को उसके ग्राम से दस्तयाब कर अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ करने पर आरोपी द्वारा उक्त चोरी करना स्वीकार किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी गया सीबीसी मोटर एवं प्रिंटर जप्त किया गया। तत्पश्चात आरोपी को दिनांक 22 फरवरी को न्यायालय पन्ना के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड हेतु आवेदन किया गया है। प्रकरण की विवेचना प्रचलित है तथा अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों के संबंध में जांच जारी है। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी देवेन्द्रनगर उप निरीक्षक संतोष सिंह यादव, सोनम शर्मा एवं टीम की सराहनीय भूमिका रही।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, छत्रसाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. एस. डी. चतुर्वेदी के संरक्षण एवं स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना के समन्वयक डॉ. बी. एन. जायसवाल के कुशल निर्देशन में डिजिटल साक्षरता और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से डिजिटल सुरक्षा से डिजिटल अवसर तकरू एक बेहतर इंटरनेट की ओर विषय पर विज्ञान संकाय में सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 35 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपनी बौद्धिक क्षमता एवं समसामयिक ज्ञान का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में दीपाली यादव, सचिन शर्मा एवं आदित्य प्रताप सिंह ने उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

बिग बॉस सीजन-12 के प्रतियोगी एक्टर सौरभ पटेल पहुंचे देवेन्द्रनगर

नवभारत न्यूज

देवेन्द्रनगर/पन्ना 23 फरवरी। पन्ना जिले के देवेंद्रनगर में डाक्टर हृदयेश शाह के निवास में बिग बॉस सीजन -12 के प्रतियोगी एवं बेब सीरीज के एक्टर सौरभ पटेल का आगमन हुआ।

उन्होंने असित अंजना हेरिटेज फाउंडेशन संस्था के साथ जुड़कर विंध्य कौशल संकल्प के तहत पन्ना जिले में बेब सीरीज और फिल्म बनाने की योजना तैयार कर रहे हैं। जिससे बेब सीरीज की शूटिंग के लिए क्षेत्र के बेहतरीन लोकेशन का उपयोग किया जाएगा और स्थानीय कलाकारों को राष्ट्रीय स्तर पर स्थान दिलाना पहली प्राथमिकता होगी।

साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी जांच के लिए हुई एक दिवसीय कार्यशाला

नवभारत न्यूज

पन्ना 23 फरवरी। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में आज पुलिस कॉन्फ्रेंस हॉल, पन्ना में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं प्रभावी विवेचना के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के समस्त थाना प्रभारियों सहित 50 से अधिक विवेचकों को प्रशिक्षित किया गया।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में तेजी से बढ़ रहे साइबर अपराधों जैसे सोशल मीडिया दुरुपयोग, ऑनलाइन ठगी, बैंक फ्रॉड, डिजिटल पहचान चोरी, फिशिंग आदि की त्वरित एवं प्रभावी जांच सुनिश्चित करना तथा विवेचकों को तकनीकी रूप से दक्ष बनाना रहा। पुलिस अधीक्षक पन्ना के निर्देशन में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में साइबर हेल्पडेस्क की स्थापना की जा चुकी है, जिससे आमजन की शिकायतों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। अतरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वन्दना सिंह चैहान की उपस्थिति मे आयोजित उक्त प्रशिक्षण में जिला साइबर टास्क फोर्स के कर्मचारी प्र.आर. राहुल सिंह बघेल, आशीष अवस्थी, धर्मेन्द्र सिंह आर. राहुल पाण्डेय, नितिन नवराज, उपनेन्द्र सिंह, द्वारा अधिकारियों को साइबर अपराधों की तकनीकी जांच, डिजिटल साक्ष्य के संकलन, संरक्षण एवं विश्लेषण की विधि तथा आवश्यकतानुसार उच्च स्तरीय एजेंसियों से समन्वय स्थापित करने की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला के दौरान अधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि एनसीपीआर पर 01 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी से संबंधित शिकायतों में ई-एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान लागू किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत यदि पीड़ित द्वारा पोर्टल पर 1 लाख रुपये से अधिक की धनराशि की ऑनलाइन धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की जाती है, तो संबंधित प्रकरण स्वतः संबंधित राज्य/जिला पुलिस को अग्रेषित होता है तथा त्वरित विधिक कार्यवाही प्रारंभ की जा सकती है। अधिकारियों को ई-एफआईआर की प्रक्रिया, शिकायत के सत्यापन, प्रारंभिक जांच, संबंधित बैंक खातों को तत्काल फ्रीज कराने, डिजिटल साक्ष्य संकलन तथा समयबद्ध विवेचना के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रावधान से गंभीर साइबर वित्तीय अपराधों में शीघ्र कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित होगी एवं पीड़ितों को त्वरित राहत प्रदान करने में सहायता मिलेगी। प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारियों द्वारा बैंक खातों, यूपीआई, एटीएम फ्रॉड, सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग एवं अन्य ऑनलाइन धोखाधड़ी से संबंधित मामलों में तत्काल तकनीकी कार्यवाही संभव हो सकेगी। विशेष रूप से ऑनलाइन ठगी के मामलों में प्रारंभिक 24 घंटे को गोल्डन आवर माना जाता है, जिसमें त्वरित सूचना एवं कार्रवाई से ठगी गई धनराशि की रिकवरी की संभावना अधिक रहती है। कार्यशाला के दौरान साइबर फ्रॉड की पहचान करने की तकनीक, डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया, फॉरेंसिक जांच की मूलभूत जानकारी, राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल के उपयोग तथा साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया का भी व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। वास्तविक प्रकरणों की केस स्टडी के माध्यम से अधिकारियों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से भी प्रशिक्षित किया गया।